यह एक खुला रहस्य है कि श्रेयस को शॉर्ट गेंदों से बड़ी समस्या है। अब अधिकतर टीमें उनके ख़िलाफ़ शार्ट गेंदों की रणनीति अपना रही है और उनके शरीर को निशाना बनाकर बाउंसर फेंक रही है। अब यह श्रेयस के ऊपर है कि वह अपनी इस कमज़ोरी को कैसे दूर करेंगे। - स्कॉट स्टायरिस

न्यूजीलैंड के पूर्व क्रिकेटर, श्रेयस अय्यर के बारे में

खेल जगत

आज का खिलाड़ी ▶ **नोवाक जोकोविच**

21 बार के ग्रैंड स्लैम विजेता सर्बिया के नोवाक जोकोविच अमेरिका की कोरोना वैक्सीन नीति के कारण इस साल की आखिरी ग्रैंड स्लैम प्रतियोगिता यूएस ओपन से बाहर रह सकते हैं। अमेरिकी नियमों के अनुसार, देश में प्रवेश के लिये कोरोना वायरस की वैक्सीन लगवाना ज़रूरी है। सर्बिया के जोकोविच ने वैक्सीन नहीं लगवाई है और वह अपने वैक्सीन-विरोधी मत के कारण इस साल हुए ऑस्ट्रेलियन ओपन से भी बाहर रहे थे। अब, यूएस ओपन के आयोजकों ने कहा है कि वह अमेरिकी सरकार के कोविड-19 वैक्सीन नियमों का सम्मान करते हैं।

क्या आप जानते हैं ?... एक टैस्ट मैच में सर्वाधिक रन बनाने का रिकॉर्ड इंग्लैण्ड के खिलाड़ी ग्राहम गूच के नाम है। गूच ने 1990 में भारत के खिलाफ 333 और 123 रन बनाए।

भारत के बैकअप खिलाड़ियों के लिए टीम में जगह पक्की करने का सुनहरा अवसर

वेस्ट इंडिज से पहला एक दिवसीय आज

पोर्ट ऑफ़ स्पेन, 21 जुलाई। यह वनडे विश्व कप साल नहीं है। वेस्टइंडीज़ और भारत के बीच सीरीज़ विश्व कप सुपर लीग का हिस्सा नहीं है। दोनों टीमों ने एक हफ़्ते से भी कम समय पहले अपने पिछले 50 ओवर के सीरीज़ को ख़त्म किया है। इंग्लैंड में सीमित ओवरों की दोनों सीरीज़ अपने नाम करने के बाद भारत ने रोहित शर्मा, विराट कोहली, ऋषभ पंत, हार्दिक पंड्या, मोहम्मद शमी और जसप्रीत बुमराह को आराम दिया है, जबकि केएल राहुल हर्निया की सर्जरी के बाद रिकवरी की राह पर हैं। इसका मतलब है कि भारत के कुछ बैकअप खिलाड़ियों को कार्यवाहक कप्तान शिखर धवन के नेतृत्व में इंग्लैंड की तुलना में एक मैच के बजाय पूरी सीरीज़ मिलेगी।

दूसरी ओर वेस्टइंडीज़ वनडे में लगातार छह मैचों में हार कर आ रही है। इस साल वनडे में उनका जीत-हार अनुपात सबसे ख़राब में से एक है। चीज़ों को वापस पटरी पर लाने के लिए वेस्टइंडीज़ के कप्तान निकोलस पूरन और कोच फ़िल सिमंस ने अपने खिलाड़ियों से यह सुनिश्चित करने के लिए कहा है कि वे पूरे 50 ओवर तक बल्लेबाज़ी करें, कुछ ऐसा जो उन्होंने हाल ही में संघर्ष किया है। जनवरी 2021 से वेस्टइंडीज़ ने वनडे में 12 बार पहले बल्लेबाज़ी की है; नौ मौक़ों पर वे अपने पूरे ओवर खेलने में विफल रहे हैं।

मेज़बान टीम के लिए अच्छी ख़बर है, जेसन होल्डर बांग्लादेश सीरीज़ से आराम के बाद वापसी कर रहे हैं। उनकी उपस्थिति टीम को न केवल गेंदबाज़ी विभाग में बल्कि निचले मध्य क्रम में भी आवश्यक अनुभव प्रदान करेगी।

निकोलस पूरन, वेस्टइंडीज़ की बांग्लादेश के ख़िलाफ़ सीमित ओवरों की सीरीज़ के दौरान कुछ अच्छे प्रदर्शन करने वालों में से एक थे। मेज़बान टीम को अगर भारत को चुनौती देनी है तो पूरन को एक बार फिर से मोर्चा संभालना होगा। वेस्टइंडीज़ के नज़रिए से अच्छी बात यह है कि उसके कप्तान का भारत के ख़िलाफ़ शानदार रिकॉर्ड है: नौ पारियों में 44.25 की औसत और 107.59 के स्ट्राइक रेट से 354 रन।

रोहित शर्मा और विराट कोहली की ग़ैरमौजूदगी में शिखर धवन भारत के लिए अहम होंगे। शिखर धवन भले ही सीरीज़ के लिए कार्यवाहक कप्तान हों, लेकिन बल्ले से उनका हालिया फ़ॉर्म अच्छा नहीं रहा है। धवन ने अपने पिछले पांच वनडे मैचों में 28 की औसत और 61.53 के स्ट्राइक रेट से 112 रन बनाए हैं। उन्होंने इस फ़ॉर्मेट में आख़िरी बार शतक बनाया था तब से अब तक 20 पारियां हो चुकी हैं। अनुभवी खिलाड़ियों की ग़ैरमौजूदगी में भारत चाहेगा कि धवन अपनी फ़ॉर्म वापस पाएं।

कीमो पॉल ने हैमस्ट्रिंग की चोट के बाद बांग्लादेश के ख़िलाफ़ अंतिम वनडे में गेंदबाज़ी नहीं की थी। जहां सिमंस उनके ठीक होने से ख़ुश हैं, वहीं वेस्टइंडीज़ मैच की पूर्व संध्या पर उनको शामिल करने पर फ़ैसला करेगा। होल्डर और काइल मेयर्स टीम में अन्य तेज़ गेंदबाज़ी ऑलराउंडर के रूप में हैं। वेस्टइंडीज़, कीमो पॉल के साथ जल्दबाज़ी नहीं करना चाहेगा। पॉल के अलावा केस कार्टी 13 सदस्यीय टीम से बाहर होने वाले दूसरे खिलाड़ी हो सकते हैं।

भारत को बहुत सारे फ़ैसले लेने हैं। धवन के साथ कौन ओपनिंग करेगा? कैसा दिखेगा तेज़ गेंदबाज़ी आक्रमण? क्या भारत 8वें नंबर पर शार्दुल ठाकुर को खिलाएगा? वे धवन के साथ ओपनिंग करने के लिए ऋतुराज गायकवाड़, इशान किशन और शुभमन गिल में से चुन सकते हैं। मोहम्मद सिराज, आवेश ख़ान, प्रसिद्ध कृष्णा और अर्शदीप सिंह भारत के तेज गेंदबाज़ी विकल्प हैं। हालांकि अक्षर पटेल को उपकप्तान रवींद्र जडेजा के होने पर टीम में जगह मिलने में मुश्किल हो सकती है।

भारत (संभावित): 1 शिखर धवन (कप्तान), 2 ऋतुराज गायकवाड/इशान किशन (विकेटकीपर), 3 श्रेयस अय्यर, 4 दीपक हूड्डा, 5 संजू सैमसन (विकेटकीपर), 6 सूर्यकुमार यादव, 7 रवींद्र जाडेजा, 8 शार्दुल ठाकुर, 9 आवेश ख़ान/प्रसिद्ध कृष्णा, 10 युज़वेंद्र चहल, 11 मोहम्मद सिराज

वेस्टइंडीज़ (संभावित): 1 शे होप (विकेटकीपर), 2 ब्रैंडन किंग, 3 शमार ब्रूक्स, 4 काइल मेयर्स, 5 निकोलस पूरन (कप्तान), 6 रोवमन पॉवेल, 7 जेसन होल्डर, 8 अकील होसैन, 9 अल्ज़ारी जोसेफ़, 10 गुडाकेश मोती, 11 जेडेन सील्स

पूरन ने गयाना में बांग्लादेश के ख़िलाफ़ वनडे सीरीज़ के लिए इस्तेमाल की जाने वाली पिचों की आलोचना करने के बाद, क्वींस पार्क ओवल से बल्ले और गेंद के बीच बेहतर प्रतियोगिता की पेशकश करने की उम्मीद की। सिमंस के अनुसार यहां की सतहें बेहतर तरीक़े से तैयार दिखती हैं, लेकिन इस वेन्यू ने आख़िरी बार 2019 में अंतर्राष्ट्रीय मैच की मेज़बानी की थी। मौसम: आंशिक रूप से बादल छाए रहने की संभावना है और तापमान 30 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहेगा।

आयरलैंड को 88 रन से हराकर न्यूज़ीलैंड ने सीरीज़ जीती

बेलफास्ट, 21 जुलाई। न्यूज़ीलैंड ने डेन क्लीवर (78) के अद्धर्शतक और माइकल ब्रेसवेल (पांच गेंद, तीन विकेट) की हैट्रिक की बदौलत आयरलैंड को दूसरे टी20 मैच में 88 रन से मात दी। न्यूज़ीलैंड ने इस जीत के साथ तीन मैचों की श्रंखला में 2-0 की अपराजेय बढ़त हासिल कर ली है।

ब्लैक कैप्स ने बुधवार को खेले गये मैच में आयरलैंड के सामने 20 ओवर में 180 रन का लक्ष्य दिया था, जिसके जवाब में आयरलैंड 91 रन पर ऑलआउट हो गयी। न्यूज़ीलैंड के लिये क्लीवर ने सर्वाधिक 78(55) रन बनाये, जबकि फिन ऐलेन ने 35(20) और ग्लेन फ़िलिप्स ने 23(16) रन बनाये।

इस मैच में कीवी टीम के स्टार माइकल ब्रेसवेल रहे। बल्ले से 14 रन का अहम योगदान देने के बाह उन्होंने अपने पहले ओवर में ही हैट्रिक ली। ब्रेसवेल ने अपने ओवर में पांच गेंदें डालीं जिसमें उन्होंने मार्क एडेयर, बैरी मेककार्थी और क्रेग यंग का विकेट लिया। आयरलैंड के बल्लेबाज़ों के पास न्यूज़ीलैंड की धारदार गेंदबाज़ी का कोई जवाब नहीं था। आयरिश टीम के लिये एडेयर ने सर्वाधिक 27 रन बनाये जबकि पॉल स्टर्लिंग ने 21 रन की पारी खेली। इनके अलावा कोई भी बल्लेबाज़ 20 रन भी नहीं बना सका। ब्लैक कैप्स के लिये ब्रेसवेल-ईश सोधी ने तीन-तीन विकेट लिये जबकि जेकब डफी ने दो और लोकी फर्ग्यूसन ने एक विकेट लिया।

बीसीसीआई संविधान संशोधन मामले में 28 जुलाई को सुनवाई करेगा सुप्रीम कोर्ट

नयी दिल्ली, 21 जुलाई। सुप्रीम कोर्ट 28 जुलाई को बीसीसीआई के संविधान में संशोधन की मांग करने वाली याचिका पर सुनवाई करेगा। मांगे गए संशोधन की अनुमति मिलने पर बोर्ड अध्यक्ष सौरव गांगुली, बोर्ड सचिव जय शाह और अन्य पदाधिकारी 2025 तक सत्ता में बने रह सकते हैं। भारत के मुख्य न्यायाधीश एनवी रमन्ना की अगुवाई वाली तीन जजों की पीठ ने वरिष्ठ वकील मनिंदर सिंह को इस मामले में नया न्यायमित्र नियुक्त किया है।

मनिंदर सिंह ने पीएस नरसिम्हा द्वारा पिछले साल खाली किए गए न्यायमित्र का पद संभाला, जिन्हें 2021 में सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश के पद पर पदोन्नत दिया गया था। बीसीसीआई के नए संविधान को अंतिम रूप देने और बोर्ड चुनावों की सुविधा के लिए प्रशासकों की समिति (सीओए) की मदद करने के लिए अदालत ने 2019 में न्यायमूर्ति नरसिम्हा को न्याय मित्र नियुक्त किया था, जिन्होंने अंततः 23 अक्टूबर 2019 को पदभार संभाला था। उन्होंने अदालत द्वारा नियुक्त सीओए द्वारा 30 महीने की निगरानी समाप्त कर दी गई, जिसने आरएम लोढ़ा समिति की सिफ़ारिशों का उपयोग करते हुए बीसीसीआई के नए संविधान का ड्राफ़्ट तैयार किया था, जिसे जुलाई 2016 में एक ऐतिहासिक फ़ैसले में अदालत द्वारा अनिवार्य किया गया था।

फिर अगस्त 2018 में न्यायमूर्ति डीवाई चंद्रचूड़ ने बीसीसीआई के नए संविधान को मंजूरी देते हुए एक निर्णय पारित किया। हालांकि पदभार ग्रहण करने के तुरंत बाद भारत के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली के नेतृत्व में वर्तमान बीसीसीआई प्रशासन ने बोर्ड के संविधान में संशोधन की मांग करते हुए अदालत में एक याचिका दायर की, जिसे अगर मंजूरी मिल जाती है, तो लोढ़ा समिति द्वारा किए गए महत्वपूर्ण सुधारों को वापस ले लिया जाएगा।

बीसीसीआई ने अप्रैल 2020 में एक दूसरा एप्लिकेशन दायर किया जहां उसने तर्क दिया कि अनिवार्य कूलिंग ऑफ़ पीरियड (तीन वर्ष) जिसे एक पदाधिकारी को लगातार दो कार्यकाल (छह वर्ष) पूरा करने पर सामना करना पड़ता है, इसकी समीक्षा करने की आवश्यकता है।

जस्टिस चंद्रचूड़ ने लोढ़ा समिति की सिफ़ारिश के आधार को बरक़रार रखते हुए अपने 2018 के फ़ैसले में कूलिंग ऑफ़ पीरियड क्लॉज़ (तीन साल से छह साल) को पहले ही बदल दिया था।

सिमंस ने वेस्टइंडीज़ बल्लेबाज़ों से बेहतर प्रदर्शन का भरोसा जताया

पोर्ट ऑफ़ स्पेन, 21 जुलाई। वेस्टइंडीज़ के प्रमुख कोच फ़िल सिमंस का मानना है कि अगले साल होने वाले वनडे विश्व कप से पहले टीम की सबसे बड़ी प्राथमिकता होगी कि वह बल्लेबाज़ी करते हुए 50 ओवर तक टिकें। 2019 विश्व कप के बाद 39 पारियों में वेस्टइंडीज़ ने केवल छह बार पूरे 50 ओवर खेले हैं और 13 में से नौ सीरीज़ में उसे हार का सामना करना पड़ा है जिसमें इस साल घर पर आयरलैंड के विरुद्ध एक सीरीज़ शामिल है। भारत के ख़िलाफ़ पहले वनडे मैच से दो दिन पहले सिमंस ने कहा, "हमें 50 ओवर खेलने होंगे और इसके लिए अच्छी साझेदारियां निभानी होंगी। किसी ना किसी को शतक लगाने की ज़िम्मेदारी लेनी होगी।"

हाल ही में बांग्लादेश के ख़िलाफ़ वेस्टइंडीज़ ने एक बार भी विपक्ष को ऑल आउट नहीं किया लेकिन सिमंस ने गेंदबाज़ी और फ़ील्डिंग की प्रशंसा की। उन्होंने कहा, "हम गेंदबाज़ी और फ़ील्डिंग में रोज़ सुधार देख रहे हैं। लोग कह सकते हैं कि हम और विकेट ले सकते थे लेकिन उन सब मैचों में भारी रोलर के चलने के बाद दूसरी पारी में विकेट बल्लेबाज़ी के लिए और आसान खेल रही थी। गेंदबाज़ अच्छा कर रहे हैं और हमें विपक्ष को बांधकर और विकेट निकालने होने होंगे।" सिमंस ने बल्लेबाज़ों पर भरोसा जताते हुए बताया कि काफ़ी हद तक उनकी मुश्किलें इस वजह से आई कि बांग्लादेश के ख़िलाफ़ तीनों मैच में प्रॉविडेंस की पिच भारतीय उपमहाद्वीप की किसी पिच की तरह खेली। बांग्लादेश से सीरीज़ 3-0 से हारने के बाद कप्तान निकोलस पूरन ने पिचों के व्यवहार पर निराशा जताई थी।

सिमंस ने कहा, "आप बल्लेबाज़ों की परख अच्छी विकेटों पर कर सकते हैं। हमारे बल्लेबाज़ों ने नीदरलैंड्स और पाकिस्तान में अच्छा किया था। उसके बाद घर पर ऐसी विकेटों पर आपको संघर्ष करना पड़ता है। हालांकि मैं यह भी मानता हूं कि हम अधिक जुझारूपन के साथ बल्लेबाज़ी कर सकते थे। मुझे लगता है यह (पोर्ट-ऑफ़-स्पेन) विकेट बेहतर होंगे और मुझे यक़ीन है कि हमारी बल्लेबाज़ी भी बेहतर होगी।"

सिमंस ने बताया कि मैदान पर दो अभ्यास सत्रों में उन्होंने वेस्टइंडीज़ के बल्लेबाज़ों में कुछ अच्छी बातें देखी हैं। हालांकि मैच के लिए तैयार की गई पिच के बर्ताव पर टिप्पणी करना आसान नहीं होगा क्योंकि इस मैदान पर अगस्त 2019 के बाद कोई अंतर्राष्ट्रीय मैच नहीं खेला गया।

सिमंस ने इस मैदान की प्रॉविडेंस के साथ तुलना करते हुए कहा, "यहां के मैदान पर ज़्यादा काम किया गया है। तीनों मैच अच्छी विकेटों पर खेले जाएंगे और हमें देखना होगा शुक्रवार की पिच कैसी होगी। मुझे बेहतर बल्लेबाज़ी की पूरी उम्मीद है। मुझे बहाने बनाना पसंद नहीं लेकिन तीसरे वनडे में कुछ हद तक हमने वह किया जो हमें पहले भी करना चाहिए था। यहां विकेट बेहतर है और बावजूद इसके कि भारत का गेंदबाज़ी क्रम भी अधिक शक्तिशाली होगा, मुझे लगता है हम बल्लेबाज़ी में सुधार देखेंगे।"

बांग्लादेश के विरुद्ध आख़िरी मुक़ाबले में ऑलराउंडर कीमो पॉल ने हैमस्ट्रिंग में खिंचाव के चलते गेंदबाज़ी नहीं की थी। पिछले दो सालों में वह कई बार चोटग्रस्त हुए हैं और सिमंस ने बताया कि पहले मैच में एकादश में उनकी जगह को लेकर निर्णय मैच से एक दिन पहले ही हो पाएगा। उन्होंने कहा, "वह स्वस्थ्य नज़र आते हैं। उन्होंने फ़िज़ियो और स्ट्रेंथ एंड कंडीशनिंग कोच के साथ पिछले दो दिनों से अच्छा काम किया है। वह मैच खेलने के लिए तैयार है या नहीं यह फ़ैसला हम कल ही ले पाएंगे।"

अन्नू रानी लगातार दूसरे चैंपियनशिप फाइनल में पहुंचीं

यूजीन, 21 जुलाई। भारत की अन्नू रानी ने बुधवार (भारत में गुरुवार सुबह) को विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप में महिला जैवलिन थ्रो के लगातार दूसरे फाइनल में जगह बनाई।

अन्नू इससे पहले दोहा में हुई विश्व चैंपियनशिप 2019 में भी फाइनल में पहुंची थीं। वह दोहा में 61.12 मीटर के सर्वश्रेष्ठ थ्रो के साथ फाइनल में आठवें स्थान पर रही थीं। 29 वर्षीय भारतीय को क्वालिफिकेशन राउंड में ग्रुप बी में रखा गया था और उन्होंने फाउल थ्रो के साथ शुरुआत की। उन्होंने दूसरे प्रयास में 55.35 मीटर का वैध थ्रो रिकॉर्ड किया, लेकिन वह उन्हें फाइनल में आगे बढ़ने के लिए पर्याप्त नहीं था। उनका सर्वश्रेष्ठ थ्रो तीसरे प्रयास में आया जहां उन्होंने जैवलिन को 59.60 मीटर दूर फेंककर फाइनल में जगह बनायी। इसी बीच, पारुल चौधरी 3000 मीटर फाइनल में जगह बनाने से चूक गयीं। वह 37 प्रतियोगियों की दौड़ में 15:54.03 के प्रयास के साथ 31वें स्थान पर रहीं।

प्रत्येक दो हीट में से केवल शीर्ष पांच और अगले पांच सबसे तेज ने फाइनल के लिए जगह बनाई। इससे पहले, चौधरी ने विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप की महिलाओं की 3000 मीटर स्टीपलचेज़ में 9:38.09 का निजी सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन दर्ज किया था।

पुजारा ने जड़ा तीसरा दोहरा शतक, डेब्यू पर सुंदर और सैनी ने खोला पंजा

लंदन, 21 जुलाई। काउंटी चैंपियनशिप के वर्तमान सीज़न में तीसरा दोहरा शतक लगाकर भारतीय बल्लेबाज़ चेतेश्वर पुजारा ने इतिहास के पन्नों में अपना नाम सुनहरे अक्षरों में अर्जित किया है। मैच के दूसरे दिन 200 रन पूरे करते ही पुजारा लॉर्ड्स में मिडिलसेक्स के विरुद्ध ससेक्स की ओर से दोहरा शतक जड़ने वाले पहले बल्लेबाज़ बन गए। उनसे पहले केवल कर्नल श्री रंजीतसिंहजी विभाजी द्वितीय ने 125 साल पहले लॉर्ड्स में दोहरा शतक जड़ा था। हालांकि यह मैच मेरिलबोन क्रिकेट क्लब (एमसीसी) के विरुद्ध खेला गया था।

पुजारा से पहले ब्रेड हॉज ने 2004 में एक सीज़न में तीन दोहरे शतक जड़े थे। इसके अलावा पुजारा 1904 के बाद एक सीज़न में तीन पारियों में 200 से अधिक रन बनाने वाले ससेक्स के पहले बल्लेबाज़ बन गए हैं। पहले दिन बनाए 115 रनों से अपनी पारी को आगे बढ़ाते हुए पुजारा ने धैर्य दिखाया और क्लासिकल अंदाज़ में टेस्ट मैच बल्लेबाज़ी की। अपने सटीक स्ट्रोक के साथ उन्होंने एक गर्म दोपहर में विपक्षी गेंदबाज़ों के पसीने छुड़ाए। लगभग नौ घंटे क्रीज़ पर बिताने के बाद पुजारा आख़िरकार आउट हुए। हालांकि पवेलियन जाने से पहले उन्होंने टीम के स्कोर को 523 पर पहुंचाया जो ससेक्स के इतिहास का सर्वाधिक स्कोर है। जहां पुजारा ने एक बार फिर सभी को प्रभावित किया, तेज़ गेंदबाज़ उमेश यादव अपनी छाप नहीं छोड़ पाए। 29 ओवर गेंदबाज़ करने के बावजूद उन्हें खाली हाथ लौटना पड़ा।

वहीं लंकाशायर की ओर से अपना डेब्यू मैच खेल रहे वॉशिंगटन सुंदर ने पहले दिन चार विकेट लेने के बाद बुधवार को पांचवां शिकार किया। अर्धशतक बनाकर खेल रहे विकेटकीपर लुइस मक्मैग्नस को उन्होंने कीटन जेनिंग्स के हाथों कैच आउट करवाया। इन पांच विकेटों के लिए सुंदर को कुल 22 ओवर गेंदबाज़ी करनी पड़ी।

हालांकि गेंद के साथ कमाल करने वाले सुंदर बल्ले के साथ कुछ ख़ास नहीं कर पाए। नौ गेंदों का सामना करने के बाद वह तेज़ गेंदबाज़ जैक व्हाइट के पांचवें शिकार बने। सुंदर ने अपनी पहली काउंटी पारी में मात्र दो रन बनाए। 235 के स्कोर पर नॉर्थैंप्टनशायर को रोकने के बाद लैंकशायर की टीम महज़ 132 रनों पर सिमट गई और अब उसे वापसी करने के लिए कठिन परिश्रम करना होगा।

नॉर्वे के खिलाफ खेलने के लिये भारतीय डेविस कप टीम घोषित

नयी दिल्ली, 21 जुलाई। अखिल भारतीय टेनिस संघ (एआईटीए) ने गुरुवार को डेविस कप के लिये भारतीय टीम की घोषणा की। यह टीम डेविस कप के विश्व ग्रुप-1 मुकाबलों में 16-17 सितंबर को नॉर्वे का नॉर्वे में सामना करेगी। एआईटीए की चयनकर्ता समिति ने रामकुमार रामाथन, प्रजनेश गुनेश्वरन, रोहन बोपन्ना, युकी भांबरी, मुकुंद शशिकुमार और सुमित नागल को टीम में शामिल किया है।

रोहित राजपाल डेविस कप में भारत की कप्तानी करेंगे जबकि ज़ीशान अली टीम के कोच होंगे। भारत और नॉर्वे पहली बार डेविस कप में आमने-सामने होंगे, जहां दोनों टीमें एक युगल और चार एकल मैच खेलेंगी।

भारत ने एक बार भी डेविस कप का ख़िताब नहीं जीता है, हालांकि टीम 1966, 1974 और 1987 में दूसरे स्थान पर रह चुकी है।

केएल राहुल कोरोना पॉजिटिव

मुंबई, 21 जुलाई। भारत के स्टार बल्लेबाज लोकेश राहुल गुरूवार को कोविड-19 जांच में पॉजिटिव पाये गये जिसके कारण उनका 29 जुलाई से तारौबा में वेस्टइंडीज के खिलाफ आगामी पांच मैचों की टी20 श्रृंखला में खेलना संदिग्ध है।

बीसीसीआई (भारतीय क्रिकेट बोर्ड) अध्यक्ष सौरव गांगुली ने यहां बोर्ड की शीर्ष परिषद की बैठक के बाद राहुल के बारे में सूचना दी। राहुल ने गुरूवार को बेंगलुरू में राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी में 'लेवल-3 कोच सर्टिफिकेशन कोर्स' में भाग लेने आये उम्मीदवारों को संबोधित किया था। राहुल का हाल में जर्मनी में हर्निया का ऑपरेशन हुआ था। उन्हें शुक्रवार से पोर्ट ऑफ स्पेन में वेस्टइंडीज के खिलाफ शुरू हो रही वनडे श्रृंखला में आराम दिया गया था।

गांगुली ने यह भी सूचित किया कि राष्ट्रमंडल खेलों के लिये जाने वाली भारतीय महिला टीम की एक सदस्य भी कोविड-19 पॉजिटिव थीं। उन्होंने हालांकि खिलाड़ी के नाम का खुलासा नहीं किया।

विश्व ख़िताब पर नीरज की नज़र

यूजीन, 21 जुलाई। टोक्यो ओलंपिक 2020 में भारत के लिये पहला ओलंपिक स्वर्ण जीतने वाले नीरज चोपड़ा गुरुवार (भारत में शुक्रवार सुबह) को विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप में भी भारत का सूखा समाप्त करना चाहेंगे।

भारत ने विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप में एकलौता पदक 2003 में जीता था, जब अंजू बॉबी जॉर्ज ने लंबी कूद प्रतियोगिता में कांस्य पदक प्राप्त किया था। अब शीर्ष जैवलिन थ्रोअर नीरज चोपड़ा 19 साल बाद भारत के पदक की उम्मीद बनकर प्रतियोगिता में उतरेंगे।

नीरज अपने स्वर्णिम करियर में ओलंपिक, एशियाई खेल, अंडर-20 विश्व, राष्ट्रमंडल खेल और डायमंड लीग में पदक जीत चुके हैं। विश्व चैंपियनशिप एकलौता महत्वपूर्ण आयोजन है जहां उन्होंने अब तक पदक नहीं जीता।

इस बार उनसे यह उपलब्धि भी हासिल करने की उम्मीद की जा रही है। पिछले महीने अपना 2022 सत्र शुरू करने वाले नीरज तीन प्रतियोगिताओं में दो बार राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ चुके हैं। उन्होंने इस सत्र की शुरुआत फिनलैंड के पावो नुर्मी खेलों में राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ते हुए रजत पदक जीतकर की थी। इसके बाद उन्होंने कुओरटाने खेलों में स्वर्ण जीता, जबकि स्टॉकहोम डायमंड लीग में उन्होंने दोबारा राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ते हुए 89.94 मीटर के थ्रो के साथ दूसरा स्थान हासिल किया।

दो क्वालीफाइंग समूहों में कुल 32 भाला फेंक खिलाड़ी हिस्सा लेंगे। 12 सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी शनिवार के फाइनल के लिए क्वालीफाई करेंगे। फाइनल के लिए स्वत: योग्यता अंक 83.50 मीटर है और चोपड़ा बिना किसी झंझट के इसे हासिल करने की कोशिश करेंगे।

नीरज का सामना ग्रेनाडा के मौजूदा चैंपियन एंडरसन पीटर्स से होगा, जिन्होंने इस साल तीन बार 90 मीटर का आंकड़ा पार किया है।

फ़िनलैंड के ओलिवर हेलैंडर, टोक्यो ओलंपिक के रजत पदक विजेता जैकब वाडलेज (चेक गणराज्य), जर्मनी के जूलियन वेबर और लंदन ओलंपिक चैंपियन केशोर्न वालकॉट अन्य स्टार थ्रोअर होंगे जो मौजूदा ओलंपिक चैंपियन को कड़ी टक्कर देंगे।

अभी बाकी है प्रीमियर लीग का रोमांच

नयी दिल्ली, 21 जुलाई। एक दिन के विश्राम के बाद 22 जुलाई को दिल्ली फुटबाल प्रीमियर लीग के दो ऐसे महत्वपूर्ण मुकाबले खेले जाने हैं, जिनसे आगे की तस्वीर काफी हद तक साफ हो जाएगी। पहला मैच वाटिका और भारतीय वायु सेना के बीच, जबकि दूसरा दिल्ली एफसी और उत्तराखंड में खेला जाएगा।

वाटिका पहली बार दिल्ली लीग में प्रविष्ट हुई है। एक जीत और एक हार के साथ वाटिका आगे की दौड़ के लिए तैयार नजर आती है। हालांकि उसे दिल्ली के चैंपियन दिल्ली एफसी के हाथों करीबी हार का सामना करना पड़ा लेकिन उस मैच में वाटिका का पलड़ा कमजोर कदापि नहीं था। भारतीय वायुसेना दो जीत से सुदेवा क्लब के साथ टॉप पर चल रही है। गढ़वाल एफसी ने एक जीत और एक ड्रा से अपने प्रशंसकों को उम्मीद जगाई है लेकिन दिल्ली एफ सी की तरह गढ़वाल की भी असल परीक्षा होनी बाकी है।

हिंदुस्तान, फ्रेंड्स यूनाइटेड और तरुनसंघा की हालत खराब है। खासकर तरुनसंघा अधिकाधिक गोल खाने की ओर बढ़ती नजर आती है। वायुसेना की उड़ान ऊंचाई पर है तो उत्तराखंड उलटफेर करने के मूड में है। इन सबके बीच युवा खिलाड़ियों से सजे सुदेवा दिल्ली एफसी को कमतर आंकना भूल होगी।

2022 में भारत के सात कप्तान होना क्या एक विश्व रिकॉर्ड है?

नयी दिल्ली, 21 जुलाई। वेस्टइंडीज़ के विरुद्ध 22 जुलाई से शुरू हो रही वनडे सीरीज़ में शिखर धवन इस साल भारतीय टीम का नेतृत्व करने वाले सातवें खिलाड़ी बनेंगे। पिछले दो दशकों में कई बार अंतर्राष्ट्रीय टीमों को एक साल के भीतर कप्तानी में बदलाव करने पड़े हैं। नज़र डालते हैं पांच पुरुष अंतर्राष्ट्रीय टीमों पर जिन्होंने एक वर्ष में पांच से अधिक कप्तानों का उपयोग किया है।

भारत, 2022 : सात कप्तान

पीठ की चोट के चलते विराट कोहली के मैच से बाहर होने के बाद केएल राहुल ने जोहानसबर्ग टेस्ट में टीम की कप्तानी की थी। 1-2 से सीरीज़ हारने के बाद कोहली ने टेस्ट कप्तानी त्याग दी थी जिसके बाद रोहित शर्मा को तीनों प्रारूपों में टीम का कप्तान बनाया गया। हालांकि राहुल को वनडे सीरीज़ में चोटिल रोहित की जगह टीम की कमान सौंपी गई थी।

घर पर श्रीलंका और वेस्टइंडीज़ के विरुद्ध रोहित टीम के कप्तान थे और टीम ने लगातार 11 मैचों में जीत दर्ज की। हालांकि आईपीएल के बाद भारत को नए कप्तान का रुख़ करना पड़ा जब रोहित और राहुल दोनों अनुपस्थित थे। तब ऋषभ पंत को साउथ अफ़्रीका के विरुद्ध टी20 सीरीज़ के लिए कप्तान बनाया गया था।

इसके बाद भारतीय टीम को आयरलैंड में टी20 सीरीज़ के साथ-साथ इंग्लैंड में टेस्ट मैच की तैयारी करनी थी। ऐसे में हार्दिक पंड्या के नेतृत्व में एक टीम आयरलैंड गई जबकि कोरोना संक्रमित रोहित की जगह जसप्रीत बुमराह ने एजबेस्टन में टेस्ट टीम की कप्तानी की। वनडे और टी20 सीरीज़ के लिए रोहित ने टीम में वापसी की लेकिन अब वेस्टइंडीज़ वनडे सीरीज़ के लिए उन्हें आराम दिया गया है। उनकी जगह धवन कप्तानी करेंगे। इससे पहले धवन पिछले साल श्रीलंका में एक युवा भारतीय वनडे टीम का नेतृत्व कर चुके हैं।

श्रीलंका, 2017 : सात कप्तान

इस साल भारत से पहले केवल एक पुरुष टीम ने एक वर्ष में सात अलग कप्तानों की नियुक्ति की थी। पांच वर्ष पहले श्रीलंका ने ऐसा किया था। दक्षिण अफ़्रीका दौरे पर टीम के नियमित कप्तान ऐंजेलो मैथ्यूज़ ने दो टेस्ट और दो टी20 मैचों में कप्तानी की जिसके बाद हैमस्ट्रिंग की चोट ने उन्हें पांच महीनों के लिए दरकिनार कर दिया। दिनेश चांदीमल ने एक टी20 मैच में कप्तानी करते हुए 2-1 से सीरीज़ जिताई लेकिन वनडे सीरीज़ में कमान उपुल थरंगा को सौंपी गई।

जहां सीमित ओवर मैचों में थरंगा कप्तानी कर रहे थे, रंगना हेराथ ने तीन टेस्ट मैचों में कप्तान की भूमिका निभाई। जब चैंपियंस ट्रॉफ़ी में धीमे ओवर रेट के कारण थरंगा पर प्रतिबंध लगा, मैथ्यूज़ ने टीम की कप्तानी की लेकिन घर पर ज़िम्बाब्वे के विरुद्ध वनडे सीरीज़ हारने के बाद उन्होंने इस पद से इस्तीफ़ा दे दिया। चांदीमल को टेस्ट कप्तान बनाया गया और थरंगा वनडे और टी20 टीम की ज़िम्मेदारी संभाल रहे थे। हालांकि इस दौरान लसिथ मलिंगा और चमारा कापुगेदरा ने एक-एक वनडे में कप्तानी की थी। अक्तूबर में थिसारा परेरा एक साल में श्रीलंका के सातवें कप्तान बने जब कई खिलाड़ियों ने यूएई में पाकिस्तान के विरुद्ध होने वाली टी20 सीरीज़ से नाम वापस ले लिया था। इसका कारण यह था कि सीरीज़ का अंतिम मैच लाहौर में खेला जाना था।

ज़िम्बाब्वे, 2001 : छह कप्तान

2001 में अपना सर्वश्रेष्ठ क्रिकेट खेल रही ज़िम्बाब्वे को नेतृत्व की उथल-पुथल से गुज़रना पड़ा। साल के पहले छह महीनों में हीथ स्ट्रीक टीम के कप्तान थे और टीम ने न्यूज़ीलैंड के विरुद्ध वनडे सीरीज़ के साथ-साथ भारत के ख़िलाफ़ ऐतिहासिक टेस्ट जीत दर्ज की थी।हालांकि वेतन और कोटा को लेकर बोर्ड से असहमति के बाद उन्होंने पद छोड़ दिया। स्ट्रीक के अचानक इस्तीफ़े की विवादास्पद परिस्थितियों के कारण, गाय व्हिटल ने शुरू में भारत और वेस्टइंडीज़ के ख़िलाफ़ घरेलू त्रिकोणीय सीरीज़ के लिए टीम का नेतृत्व करने से इनकार कर दिया। ग्रांट फ़्लावर ने शुरुआती मैच में कप्तानी की लेकिन स्ट्रीक दूसरे मैच के लिए कप्तानी पद पर लौट आए। इसके बाद व्हिटॉल अंततः तीन मैचों में ज़िम्बाब्वे के तीसरे कप्तान बने।

जुलाई में स्ट्रीक को फिर से कप्तान नियुक्त किया गया लेकिन उन्होंने अपनी गेंदबाज़ी पर ध्यान केंद्रित करने के लिए तीन महीने बाद फिर से इस्तीफ़ा दे दिया। लेग स्पिनर ब्रायन मर्फ़ी ने शारजाह में एक त्रिकोणीय सीरीज़ के लिए उनकी जगह ली, जबकि वर्ष के अंत तक ऐलेस्टर कैंपबेल और स्टुअर्ट कार्लाइल ने भी टीम की कप्तानी की।

इंग्लैंड, 2011 : छह कप्तान

इंग्लैंड ने साल की शुरुआत ऐंड्रयू स्ट्रॉस की कप्तानी में ऑस्ट्रेलिया में 3-2 से ऐशेज़ सीरीज़ जीतकर की थी। एक साल पहले टीम को पहली बार टी20 विश्व विजेता बनाने वाले पॉल कॉलिंगवुड ने दो टी20 मैचों में टीम की कप्तानी की और फिर स्ट्रॉस वनडे सीरीज़ के लिए वापस लौट आए।

वनडे विश्व कप के सेमीफ़ाइनल में जगह बनाने से चूकने के बाद स्ट्रॉस ने वनडे टीम की कप्तानी से इस्तीफ़ा दे दिया। इंग्लैंड के चयनकर्ताओं ने स्ट्रॉस को टेस्ट कप्तान बनाए रखा और वनडे और टी20 टीम की कमान क्रमश: ऐलेस्टर कुक और स्टुअर्ट ब्रॉड को सौंप दी। जब आयरलैंड के विरुद्ध वनडे के लिए कुक को आराम दिया गया, डबलिन में जन्में ओएन मॉर्गन ने कप्तान की भूमिका निभाई। इसके बाद चोटिल मॉर्गन और ब्रॉड की जगह ग्रीम स्वॉन को तीन टी20 मैचों में कप्तानी करने का अवसर मिला।

ऑस्ट्रेलिया, 2021 : छह कप्तान

पिछले साल जनवरी में ऑस्ट्रेलिया को भारत के हाथों बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफ़ी में हार का सामना करना पड़ा। यह टेस्ट कप्तान टिम पेन की आख़िरी सीरीज़ साबित हुई। ऐशेज़ से पहले एक महिला सहकर्मी को भेजे गए उनके अश्लील संदेश मीडिया में सामने आए और उन्होंने कप्तानी पद से इस्तीफ़ा दे दिया। पैट कमिंस नए टेस्ट कप्तान बने और अपनी पहली सीरीज़ में उन्होंने 4-0 से जीत दर्ज की। हालांकि एडिलेड टेस्ट से पहले एक कोरोना संक्रमित व्यक्ति के क़रीबी संपर्क के रूप में पहचाने जाने के कारण उन्हें मैच से बाहर बैठना पड़ा। इसके चलते स्टीव स्मिथ को तीन सालों बाद टीम की कप्तानी करने का मौक़ा मिला।

वहीं नियमित कप्तान आरोन फ़िंच को घुटने में लगी चोट के कारण ऐलेक्स कैरी को वेस्टइंडीज़ के विरुद्ध वनडे सीरीज़ के लिए कप्तान बनाया गया। अगस्त में जब पहली पसंद के कई खिलाड़ियों को टी20 टीम से आराम दिया गया तब मैथ्यू वेड ने बांग्लादेश सीरीज़ में टीम का नेतृत्व किया। अंत में फ़िंच ने टीम में वापसी करते हुए उन्हें पहला टी20 विश्व कप ख़िताब दिलाया।